रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 14 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 281 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

किसानों के लिए सम्मान और समृद्धि का प्रतीक बनी भावान्तर योजना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 1.33 लाख से अधिक किसानों के खातों में 233 करोड़ रुपए भावांतर राशि अंतरित की

हमारी सरकार ने योजना की शुरुआत करने के 15 दिन में ही निभाया अपना वादा

भावांतर योजना में पंजीकृत किसान 15 जनवरी तक मंडियों में विक्रय कर सकेंगे सोयाबीन

देवास जिले में विकास के लिए 183.25 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन, हितलाभ भी किये वितरित

कृषि यंत्रों एवं जैविक खेती को प्रोत्साहन पर केन्द्रित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

एक दिसम्बर को भव्य रूप में मनाएंगे गीता जयंती

जहां देवियों का वास है, वही है देवास

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भावांतर भुगतान, अन्नदाता के उत्थान का पर्याय है। अन्नदाता को दी गई एमएसपी की गारंटी की पूर्ति करते हुए सोयाबीन भावांतर योजना में 1 लाख 33 हजार किसानों के खाते में 233 करोड रुपए की राशि अंतरित की गई है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमने जो कहा उसे कर दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में अनेक किसान हितैषी योजनाएं संचालित की जा रही है। मध्यप्रदेश किसानों को उपज का उचित लाभ दिलवाने के लिए भावान्तर योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। पिछले साल सोयाबीन का भाव 4800 रुपए था, इस बार किसानों को 500 रुपए प्रति क्विंटल का लाभ देकर 5300 रुपए से अधिक कीमत पर सोयाबीन खरीदा जा रहा है। भावान्तर योजना के लिए प्रदेश में 9 लाख से अधिक किसानों ने सोयाबीन बेचने के लिए पंजीयन किया। आज 1.33 लाख किसानों के खाते में राशि भेजी गई है। हमारी सरकार ने योजना की शुरुआत करने के 15 दिन में ही किसानों से किया वादा पूरा किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को देवास से प्रदेश के 1.33 लाख सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावान्तर योजना के अंतर्गत 233 करोड़ रुपए की राशि अंतरित करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर कन्या-पूजन भी किया। वंदे मातरम के गान ने वातावरण को देशभक्ति की भावना का संचार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवास जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 183.25 करोड़ लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। साथ ही हितग्राहियों को जैविक खेती, कृषि यंत्र एवं पीएमएफएमई सहित विभिन्न योजनाओं में हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि यंत्रों एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया

220 से अधिक मुख्य और 80 उप मंडियों में की जा रही खरीदी : सारी प्रक्रिया ई-मंडी पोर्टल पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष-2026 को कृषि आधारित उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना पंजीकृत किसान 15 जनवरी तक अपनी सोयाबीन मंडियों में बेच सकेंगे। पूरे प्रदेश में 220 से अधिक मुख्य मंडियों और 80 उप मंडियों में खरीदी की जा रही है। रेट पारदर्शी तरीके से तय हो रहे हैं, सारी प्रक्रिया ई-मंडी पोर्टल पर है, किसान का डाटा अपने आप दिख रहा है, पैसा सीधे ऑनलाइन खाते में पहुंचने की व्यवस्था की गई है और हर कदम पर रियल टाइम एंट्री और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए भावांतर कॉल सेंटर भी स्थापित किया गया है। भावांतर योजना लागू होने से फसल बेचने में किसानों को होने वाली कई परेशानियां दूर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक दिसंबर को गीता जयंती भी पूरी भव्यता के साथ मनाई जाएगी। प्रदेश के नगरों में गीता भवन बनाए जा रहे हैं। साथ ही प्रत्येक विकासखंड में वृंदावन ग्राम बनाए जाएंगे।

नरवाई की समस्या के निदान के लिए लगाए जा रहे हैं कम्प्रेस्ट बायो गैस प्लांट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिए धरती पुत्र किसान और सीमा पर जवान, दोनों समान सम्मान का भाव रखते हैं। धरती पुत्र किसानों से देश की विशेष पहचान बनी है। किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार खेती के साथ-साथ गोपालन को भी प्रोत्साहित कर रही है। किसान प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए पंजीयन कराएं और 4 हजार रुपए प्रति एकड़ अनुदान का लाभ उठाएं। प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना शुरू की गई है। योजना में अगर कोई किसान 40 लाख रूपए लागत का डेयरी व्यवसाय शुरू करता है तो राज्य सरकार की ओर से 10 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के लिए नरवाई की समस्या खत्म करने की दिशा में कदम उठाते हुए प्रदेश में कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शुभारंभ किया गया है।

बहनों का आर्थिक सशक्तिकरण सनातन संस्कृति का गौरव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार 12 नवम्बर को लाड़ली बहनों को जारी बढ़ी हुई राशि का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की बहनों और किसानों को लगातार सौगातें मिल रही हैं। बहनों का आर्थिक सशक्तिकरण सनातन संस्कृति का गौरव है। भारत दुनिया का एक मात्र देश है, जो मातृ सत्ता को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि जहां देवियों का वास है, वही देवास है। उन्होंने देवास स्थित नोट प्रेस का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के नोट दुनिया में भारत का मान बढ़ाते हैं। भले ही नोट अर्थव्यवस्था को गति देते हों, लेकिन सोयाबीन, कपास और गेहूं का उत्पादन देश की अर्थव्यवस्था को आधार प्रदान करता है। कृषि उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान देश में महत्वपूर्ण है।

राज्य सरकार ने मोटे अनाज 'श्रीअन्न' पर दिया बोनस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने मोटा अनाज 'श्रीअन्न' खरीदने के लिए मंडला, बालाघाट, जबलपुर सहित 11 जिलों के लिए किसानों को कोदो-कुटकी पर 1000 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया है। धान और गेहूं उत्पादक किसानों को भी बोनस का लाभ मिला है, चरणबद्ध रूप से गेहूं की कीमतें बढ़ाई जा रही है। संकल्प पत्र में किये वादे को पूरा करते हुए लाड़ली बहना योजना में बहनों के लिए भी राशि बढ़ाकर 1500 रुपए कर दी गई है। किसानों को सोलर पंप लगाने के लिए अनुदान का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रत्येक 7 दिन में प्रदेशवासियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत राशि अंतरित की जाएगी। प्रदेश में औद्योगीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार को पिछले दिनों भारत सरकार की ओर से 4 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

देवास जिले में भावान्तर योजना के लिए सबसे अधिक हुआ पंजीयन

कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि मध्यप्रदेश किसानों के लिए भावान्तर योजना संचालित करने वाला देश का इकलौता राज्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य में किसान हितैषी सरकार है।

मुख्यमंत्री का किसान मोर्चा और नागरिकों ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के देवास पहुँचने पर रोड-शो में किसान मोर्चा के पदाधिकारियों और किसानों सहित नागरिकों ने भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सभी का अभिवादन करते हुए किसानों को भावांतर योजना में मिले लाभ की बधाई दी। कार्यक्रम को सांसद श्री महेंद्र सिंह सोलंकी ने भी संबोधित किया। विधायक श्रीमती गायत्री राजे पंवार ने कहा कि देवास जिले में भावान्तर योजना के लिए सबसे अधिक पंजीयन हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों, युवाओं और महिलाओं को अनेक सौगातें मिल रही हैं।

पेग मार्ट किराना सुपर मार्केट पर नापतोल विभाग की बड़ी कार्रवाई!

200 ML का खेल-190 ML बेचकर वसूले पूरे पैसे! ऑवर चार्ज की शिकायत पर विभाग ने मारा छापा, सच आया सामने

_सूर्या परमार

शुजालपुर शुजालपुर के चर्चित पेग मार्ट किराना सुपर मार्केट पर एक बार फिर कार्रवाई की गाज गिरी है। जीएसटी कानून की जांच के बाद अब नापतोल विभाग ने भी दुकान की पोल खोल दी। विभागीय टीम ने जब बिल और उत्पादों की मात्रा जांची तो चौंकाने वाला सच सामने आया-190 ML का पैक 200 ML बताकर उपभोक्ताओं से अधिक वसूली की जा रही थी! शिकायत के बाद नापतोल विभाग ने मौके पर जांच की और ऑवर चार्जिंग का मामला सही पाया। अधिकारियों ने बताया कि स्टोर संचालक ने नियमों का उल्लंघन करते हुए उपभोक्ताओं को ठगा, जिसके चलते किराना स्टोर पर ऑवर चार्ज

पेग मार्ट किराना स्टोर शुजालपुर पर जी एस टी विभाग की कार्यवाही
ग्राहकों को अधिक मूल्य पर सामान बेचने व नापतोल में गड़बड़ी को लेकर
ग्राहक द्वारा कि गई शिकायत कि जांच करने पहुंचे जी एस टी अधिकारी

का प्रकरण दर्ज किया गया है। कुछ दिन पहले ही जीएसटी विभाग ने भी इस स्टोर की जांच की थी, लेकिन उसका जीएसटी रजिस्ट्रेशन सेंट्रल में होने के कारण तत्काल कार्रवाई नहीं हो सकी थी। हालांकि अब शिकायतकर्ता ने सेंट्रल जीएसटी उज्जैन जाकर भी मामला दर्ज कराने की बात कही है।

संचालक भड़के, कैमरा देखकर मचाया हंगामा!

विभागीय कार्रवाई के दौरान जब खुलासा जगत के संवाददाता ने फोटो लेने की कोशिश की तो संचालक भड़क उठे और दबाव बनाने लगे। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने साथियों को बुलाकर संवाददाता से विवाद करने की कोशिश भी की। कार्यवाही से बौखलाए संचालक का यह व्यवहार अब खुद उनके लिए नई मुसीबत बन सकता है।

अब बड़ा सवाल

_क्या प्रशासन ऐसे दुकानदारों पर शिकंजा कसेगा जो उपभोक्ताओं से खुलेआम लूट कर रहे हैं? _या फिर "पेग मार्ट" जैसी जगहें नियमों की धज्जियां उड़ाती रहेंगी?

आत्मा का प्रकाश सदैव स्पंदन युक्त व शुद्ध होता है

प्रकाश एक प्रकार की ऊर्जा है जो हमारी आंखों को संवेदित करता है। प्रकाश स्रोत से निकलकर वस्तु पर पड़ता है तथा इनसे परावर्तित होकर आंखों को संवेदित कर वस्तु के होने का ज्ञान कराता है। प्रकाश की अनुपस्थिति में वस्तुएं होकर भी नहीं होती हैं। यह स्थूल जगत का वैज्ञानिक तथ्य है। हमारे सूक्ष्म शरीर में आत्मा प्रकाश बनकर ज्योतित होती है आत्मा का प्रकाश सदैव स्पंदन युक्त व शुद्ध होता है सूर्य के प्रकाश में हम स्थूल जगत को समझ पाते हैं परंतु आत्मा के प्रकाश में स्थूल व सूक्ष्म दोनों ही जीवन प्रकाशित होते हैं। आत्मप्रकाश कितना विस्तारित हो सकता है यह निर्भर करता है कि आप की चेतना का स्तर क्या है? चेतना का स्तर जितना उच्च होता है आपकी दृष्टि उतनी ही प्रकाशित होती है और इस प्रकाश में साधक दैवीय स्पंदनों व अनुभवों का साक्षी बनता है। अनेक महापुरुषों के चित्र में प्रदर्शित प्रकाश वृत्त इसी चेतना का प्रतीक है। क्योंकि आत्मा व्यैक्तिक ना होकर ब्रह्मांड व्यापी है अतः उसकी चेतना का स्तर भी विश्वव्यापी होता है। और इस चेतना का प्राकट्य मात्र प्रेम के रूप में होता है। श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रतिस्थापित सहज योग साधक के अंत में इसी चेतना की जागृति करता है इस संदर्भ में श्री माताजी ने वर्णित किया है कि, "…. आत्मा का प्रकाश आपको धीरे-धीरे सब कुछ बताएगा, जितना आप इसे सहन कर सकते हैं। यह आपको कुछ ऐसा नहीं बताएगा जिसे आप सहन नहीं कर सकते। यह एक बहुत अच्छी समरुप तुलना है, जब हम यह कहते हैं कि,"आप एक प्रकाश हैं", लेकिन यह प्रकाश जो आपके पास है, वह इस मामूली प्रकाश से बहुत अलग है। साधारण प्रकाश समझता नहीं है। वह सोचता नहीं है। अब जो प्रकाश आपके पास है, यह वो प्रकाश है जो समझता है, सोचता है और यह आपको उतनी ही रोशनी देता है जितनी आप सहन कर सकते हैं। यह दमकेगा नहीं। अगर यह

कौंधेगा, तो आप हक्के बक्के हो जाएंगे। यह धुंधला नहीं पड़ेगा। यह पूर्णतया उसी अनुपात में रहेगा जितना आप समझ सकते हैं।" (२१ जुलाई १९९३)आत्मा का यह प्रकाश भौतिक जगत की अस्थिरताओं, कठिनाईयों, दुविधाओं में आपका विवेकयुक्त मार्गदर्शन करता है तथा अक्षुण्ण आनंद प्रदान करता है। इस प्रकाश से साक्षात्कार हेतु सहजयोग से संबंधित जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश से चलायें जा रहे कई जगह मुस्कान अभियान अभियान मे बताए गए इमरजेंसी नंबर

पत्रकार खुशबू श्रीवास्तव

श्रीमान जी आज दिनांक 13 नम्बर 2025 को वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश से चलायें जा रहे मुस्कान अभियान के तहत थाना परदेसीपुरा क्षेत्र बंसी प्रेस मालवा मिल में थाना प्रभारी आर डी कानवा साहब के नेतृत्व में थाना ड्यूटी के साथ साथ क्षेत्रों में बढ़ते अपराधों के संबंध मराठा समाज के अध्यक्ष श्रीमती स्वाति काशी दे की उपस्थिति में महिला पुरुषों को एकत्रित करके थाना परदेशीपुरा की उपनिरीक्षक दुर्गा सूर्यवंशी उनि अनारसिंह स उ नि स उ नि रेखा कनासिया प्रधान आरक्षक लक्की चौधरी प्रधान एवं थाने के स्टाफ के साथ महिला पुरुषों की मीटिंग ली गई जिसमें नशे के दुष्परिणामों के संबंध जानकारी दी गई एवं मोहल्ले में होने वाली अवैध गतिविधि की सूचना देने के संबंध में पुलिस को गोपनीय सुचना कैसे देना बताया गया एवं इमरजेंसी नंबर 112,1930,1098 नंबरों की जानकारी बताईं गईं श्रीमान जी मीटिंग के दौरान महिलाओं ने कई सवाल जवाब भी किये उनके निराकरण के संबंध में भी बताया गया।

रणजीत टाइम्स

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का पसंदीदा गंतव्य बनाने की पहल

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में हुआ जीसीसी लीडरशिप कनेक्ट

इंदौर ।मध्यप्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में गुरुवार को एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के अंतर्गत "एमपी जीसीसी लीडरशिप कनेक्ट राउंडटेबल" का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर 25 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) शामिल हुए और राज्य की दीर्घकालिक तकनीकी रणनीति को दिशा देने के लिए सार्थक चर्चा हुई। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश को जीसीसी के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। टियर-2 शहरों में उपलब्ध सुविधाएं जीसीसी के लिए सशक्त बिजनेस इको सिस्टम बनाने में सक्षम हैं। श्री दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां समर्पित जीसीसी नीति बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य में ड्रोन नीति के तहत ड्रोन डाटा रिपॉजिटरी विकसित की जा रही है। प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश एवं विकास को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। डाटा सेंटर नीति के तहत व्यवसायों को सब्सिडी दी जा रही है और स्पेस टेक्नोलॉजी नीति तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि आईआईटी इंदौर देश का एकमात्र संस्थान है जहाँ स्पेस टेक्नोलॉजी में

बीटेक एवं एमटेक कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने वाला अग्रणी राज्य है। देश के 10 प्रतिशत से अधिक गेमिंग आईपी क्रिएशन मध्यप्रदेश से हुए हैं, जो राज्य की तकनीकी क्षमता और टैलेंट की उपलब्धता को दर्शाते हैं।

नीतिगत और प्रशासनिक सहयोग

मध्यप्रदेश सरकार ने जीसीसी की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत एवं प्रशासनिक कदम उठाए हैं। संपदा पोर्टल के माध्यम से आसान रजिस्ट्री, लेबर लॉ में सरलीकरण, साइबर तहसील के माध्यम से विवाद निपटान, पेरोल सब्सिडी और पेटेंट असिस्टेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। राज्य में ग्रीन एनर्जी की उपलब्धता और कार्बन क्रेडिट व्यवस्था जैसे पर्यावरणीय उपाय सकारात्मक बिजनेस इकोसिस्टम को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं।

उद्योग प्रतिनिधियों ने साझा किये विचार

वेना इंडिया सेंटर हेड श्री गौतम यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में आईआईटी इंदौर, MANIT भोपाल, और GSITS इंदौर जैसे संस्थानों की मौजूदगी से राज्य में उच्च गुणवत्ता वाला टैलेंट पूल उपलब्ध है। उन्होंने जीसीसी के सशक्त विकास के लिए सीनियर लीडरशिप को आकर्षित करने का सुझाव दिया। वेना इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट श्री पार्थ सेन गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश में वित्तीय क्षेत्र की विशेषता और संभावनाएं जीसीसी की स्थापना के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। केपीएमजी के पार्टनर श्री गौरव कुमार ने कहा कि मध्यप्रदेश के टियर-2 शहरों में उत्कृष्ट टैलेंट पूल उपलब्ध है और यहां के युवा राज्य में ही रहकर काम करना पसंद करते हैं, जिससे टैलेंट की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित रहती है। = एनटीटी डाटा के साइबर हेड श्री क्षितिज बंथिया ने कहा कि राज्य में कई जीसीसी पहले से सक्रिय हैं और यहां स्टार्टअप कल्चर को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है। जीसीसी में स्थानीय भर्ती को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ई एंड वाई एलएलपी के पार्टनर श्री आदित्य क्षेत्रपा ने कहा कि जीसीसी की स्थापना के साथ उसकी निरंतरता पर भी ध्यान देना आवश्यक है, जिससे कार्य त्वरित गति और कम लागत से हो सके। प्रदेश में सस्टेनेबिलिटी, प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। इन केंद्रों का उद्देश्य न केवल तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को सशक्त बनाना है, बल्कि रोजगार, नवाचार और कौशल विकास के नए अवसर भी सृजित करना है।

खेत में हादसे से उजड़ गया घर नरसिंहपुर में रोटावेटर की चपेट में आया किसान का बेटा, मौके पर ही दर्दनाक मौत

नरसिंहपुर। जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र के झांसीघाट गांव में गुरुवार सुबह खेत में काम करते वक्त एक 18 वर्षीय युवक की रोटावेटर की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान किसान राजकुमार श्रीपाल के बेटे रोहित के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था, तभी अचानक वह पीछे से रोटावेटर में फंस गया और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद खेत में चीख-पुकार मच गई। आसपास के किसान और परिजन जब तक मौके पर पहुंचे, तब तक रोहित की सांसें थम चुकी थीं। परिजन उसे आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डॉ. इंदर सिंह ने बताया कि रोहित को जब अस्पताल लाया गया, तब तक वह दम तोड़ चुका था। हादसा इतना गंभीर था कि शरीर पर गहरे घावों के निशान थे। सूचना मिलते ही गोटेगांव पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि रोटावेटर में अचानक संतुलन बिगड़ने से युवक मशीन की चपेट में आ गया। दुर्घटना के बाद परिवार पर गम का पहाड़ टूट पड़ा है। पिता राजकुमार श्रीपाल और परिवार के सदस्य रो-रोकर बेहाल हैं। गांव में शोक की लहर है। लोग कह रहे हैं कि मेहनत और उम्मीदों से भरा यह युवक खेत में अपनी ही मशीन से जिंदगी हार गया।

एमपी में जल्द शुरू होंगी राजनीतिक नियुक्तियां: बिहार चुनाव के बाद बनेगी नई सूची, 'एक व्यक्ति–एक पद' फॉर्मूले पर सहमति, कई पूर्व मंत्री और विधायक रेस में

भोपाल। मध्य प्रदेश में लंबे इंतजार के बाद अब राजनीतिक नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, बिहार विधानसभा चुनाव के बाद निगम-मंडल और प्राधिकरणों में नई राजनीतिक नियुक्तियों का ऐलान किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने "एक व्यक्ति–एक पद" के फॉर्मूले पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी है। इस फॉर्मूले के तहत अब किसी भी नेता को संगठन या सरकार में एक ही जिम्मेदारी दी जाएगी। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की हालिया दिल्ली यात्रा के दौरान इस पर केंद्रीय संगठन से मंजूरी मिल चुकी है। वहीं प्रदेश संगठन और सत्ता के बीच भी अंतिम रायशुमारी का दौर चल चुका है। अब लिस्ट तैयार है और बिहार चुनाव के नतीजों के बाद उस पर केंद्र की मुहर लगने की पूरी संभावना है। सूत्रों के अनुसार, इस सूची में कई पूर्व मंत्री, विधायक और संगठन से जुड़े दिग्गजों के नाम शामिल हैं। जिनमें पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, रामनिवास रावत, और इमरती देवी के नाम लगभग तय माने जा रहे हैं। वहीं उमाशंकर गुप्ता और अंचल सोनकर के नामों पर भी गंभीर चर्चा चल रही है, हालांकि इन पर अंतिम फैसला अभी शेष है। इसके साथ ही संगठन के स्तर पर कई सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व जनप्रतिनिधि भी रेस में हैं। इनमें ध्रुवनारायण सिंह, संजय शुक्ला, अलकेश आर्य, कलसिंह भाबर, आशुतोष तिवारी, विजय दुबे, केशव भदौरिया, विनोद गोटिया, गौरव सिरोठिया, श्याम सुंदर शर्मा, संजय नगाइच, शैतान सिंह पाल और सुनील पांडे के नाम चर्चा में हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बार नियुक्तियों में क्षेत्रीय संतुलन, जातिगत प्रतिनिधित्व और संगठन में सक्रियता जैसे पहलुओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार और संगठन के बीच यह सहमति भी बनी है कि जिन नेताओं ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है, उन्हें इन पदों पर वरीयता दी जाएगी। गौरतलब है कि फरवरी 2024 में प्रदेश की सभी 46 निगम–मंडल की राजनीतिक नियुक्तियां रद्द कर दी गई थीं। तब से कई नेताओं में असंतोष बढ़ा हुआ था। अब बिहार चुनाव के बाद मध्य प्रदेश में एक बार फिर सियासी हलचल तेज होने जा रही है, और राजनीतिक चेहरों की नई फेहरिस्त सामने आने की पूरी संभावना है।

भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

गोपाल गावंडे » रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक

इक्कीसवीं सदी का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी महाशक्ति नहीं बनेगा, यदि उसके भीतर मानसिक और सांस्कृतिक एकता का सूत्र न हो। संघ इसी सूत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। भागवत का संदेश भारत के बहुलतावाद और धार्मिक विविधता में निहित एकता को स्वीकार करता है। यह एक ऐसा आमंत्रण है जो हर नागरिक को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि ÷भारतीयता÷ हमारी साझा पहचान है, बाकी सब उपाधियाँ हैं। इस दिशा में संघ का दृष्टिकोण ÷समरस समाज÷ की रचना पर केंद्रित है? ऐसा समाज जहाँ मुसलमान, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी सभी अपने धर्म का पालन करते हुए भी राष्ट्र को अपनी मातृभूमि मानें और भारतीय संस्कृति के गौरव से जुड़ें। मोहन भागवत के बेंगलुरु वक्तव्य ने हिंदुत्व की परिभाषा को एक व्यापक और आधुनिक संदर्भ दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघ का हिंदुत्व किसी के विरुद्ध नहीं, बल्कि सबके लिए है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रायः हिंदूवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु वस्तुतः वह केवल एक धार्मिक या सांप्रदायिक संगठन नहीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीयता की जीवंत चेतना का प्रतीक है। संघ की मूल प्रेरणा ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷ के भाव से उपजी है, जो भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसी दृष्टि का विस्तार संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया बेंगलुरु वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने खुले हृदय से कहा कि ÷ईसाई और मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं÷। यह कथन न केवल साहसिक है बल्कि यह नए भारत, विकसित भारत और संतुलित भारत की सोच का परिचायक भी है। संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोगों के स्वागत की भागवत के वक्तव्य की व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन यह वक्तव्य संघ की व्यापक सोच का भी परिचायक है और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन-मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह-अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। यही कारण है कि संघ की दृष्टि में ÷हिंदुत्व÷ का अर्थ भारतीयता है अर्थात् भारत की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और जीवनशैली से आत्मीय जुड़ाव। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी रहे हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह भी है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है। उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है?

संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, ÷हिंदुत्व केवल धर्म नहीं, वह संस्कृति है, जीवन का एक दृष्टिकोण है।÷ इसी सूत्र को आगे बढ़ाते हुए मोहन भागवत स्पष्ट करते हैं कि हिंदुत्व किसी जाति, भाषा, मज़हब या सीमित परंपरा का नाम नहीं है। संघ यह मानता है कि भारत में रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी पंथ या विश्वास से जुड़े हों, इस धरती के सांस्कृतिक उत्तराधिकारी हैं। इसीलिए वे भारतीय हैं और इस दृष्टि से ÷हिंदू÷ अर्थात् इस भूमि की सभ्यता के उत्तराधिकारी। संघ की दृष्टि में ÷हिंदू÷ शब्द धार्मिक पहचान से अधिक सांस्कृतिक अवधारणा है। यह भारतीय जीवन का पर्याय है, जो समानता, सहिष्णुता और एकात्मता में विश्वास करता है। यही भाव ÷सर्वे भवन्तु सुखिनः÷ और ÷एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति÷ जैसे मंत्रों में प्रतिध्वनित होता है। आज की राजनीति में समाज को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर बाँटने का जो विषवमन चल रहा है, उससे राष्ट्र की एकात्मता को गहरी चोट पहुँच रही है। संघ का उद्देश्य इस विभाजनकारी मानसिकता के प्रतिरोध में खड़ा होना है। मोहन भागवत का यह वक्तव्य इसी विषहरण की प्रक्रिया का हिस्सा है, एक ऐसी पुकार जो समाज के हर वर्ग को यह विश्वास दिलाती है कि राष्ट्र की आत्मा किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान में नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना में निहित है। संघ के लिए राष्ट्र ही सर्वोच्च देवता है। इस राष्ट्रभक्ति के केंद्र में धर्मनिरपेक्षता नहीं बल्कि धर्मसम्मतता है अर्थात् ऐसी आस्था जो सभी मतों का सम्मान करती है। इसी भाव से प्रेरित होकर संघ अपने कार्यकर्ताओं को ÷हिंदू समाज की सेवा के माध्यम से समग्र भारतीय समाज की एकता÷ का लक्ष्य देता है।

भागवत का यह संदेश उस भारत की परिकल्पना करता है जिसमें मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। वे मानते हैं कि ÷जो भी इस भूमि में जन्मा है, उसका पूर्वज कोई न कोई हिंदू ही रहा है।÷ यह कथन ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि भारत की सभ्यता का मूल एक ही रहा है, जिसने विविध रूपों में विकसित होकर अनेक धर्मों और संप्रदायों को जन्म दिया। इस संदर्भ में भागवत का दृष्टिकोण गांधीजी की उस संकल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने कहा था- ÷मेरा हिंदुत्व सबको समेटने वाला है, किसी को बाहर करने वाला नहीं।÷ यही समावेशी भाव राष्ट्र की एकता का आधार बन सकता है। यदि संघ इस पर बल देता है कि उसका उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है तो इसका अर्थ यही भी है कि वह सभी भारतीयों को संगठित करके एक सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना करता है। कठिनाई यह है कि उसके विरोधी यह प्रचारित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते कि वह तो केवल हिंदू समाज का संगठन है। चूंकि यह दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि संघ के स्तर एवं अन्य स्तरों पर इन देश तोड़क स्थितियों एवं दुष्प्रचार का स्पष्टीकरण होता रहे।

संघ को लेकर फैलायी जा रही यह भ्रांति एवं गुमराह पूर्ण स्थितियों का खुलासा होना जरूरी है कि संघ संप्रदाय विशेष के लोगों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। यदि यह मिथ्या धारणा दूर हो सके तो संघ का कार्य और अधिक आसान एवं सृजनात्मक हो जाएगा, लेकिन यह मानकर चला जाना चाहिए कि संघ के विरोधी उसके बारे में दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। जो भी हो, संघ प्रमुख ने यह कहकर एक तरह से अपने विरोधियों और आलोचकों की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया है कि उसके कार्यक्रमों में सभी संप्रदायों के लोग आ सकते हैं, लेकिन केवल भारत माता के पुत्र के रूप में। उनकी इस पहल का सकारात्मक उत्तर दिया जाना चाहिए, उसका व्यापक स्तर पर स्वागत भी होना चाहिए। लेकिन बड़ी विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। क्या यह किसी से छिपा है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत माता की जय कहने से बचा जाता है? पिछले दिनों इसी संकीर्ण दृष्टि के कारण वंदे मातरम् के विरोध में स्वर सुनाई दिए।

इक्कीसवीं सदी का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी महाशक्ति नहीं बनेगा, यदि उसके भीतर मानसिक और सांस्कृतिक एकता का सूत्र न हो। संघ इसी सूत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। भागवत का संदेश भारत के बहुलतावाद और धार्मिक विविधता में निहित एकता को स्वीकार करता है। यह एक ऐसा आमंत्रण है जो हर नागरिक को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि ÷भारतीयता÷ हमारी साझा पहचान है, बाकी सब उपाधियाँ हैं। इस दिशा में संघ का दृष्टिकोण ÷समरस समाज÷ की रचना पर केंद्रित है? ऐसा समाज जहाँ मुसलमान, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी सभी अपने धर्म का पालन करते हुए भी राष्ट्र को अपनी मातृभूमि मानें और भारतीय संस्कृति के गौरव से जुड़ें। मोहन भागवत के बेंगलुरु वक्तव्य ने हिंदुत्व की परिभाषा को एक व्यापक और आधुनिक संदर्भ दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघ का हिंदुत्व किसी के विरुद्ध नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विभाजन नहीं, समन्वय का सूत्र है। यही सच्ची भारतीयता है- जो विविधताओं में एकता को, विरोध में संवाद को और मतभेद में सह-अस्तित्व को स्वीकार करती है। संघ का यह दृष्टिकोण बताता है कि हिंदुत्व का अर्थ किसी पंथ का वर्चस्व नहीं, बल्कि उस जीवनदर्शन का पुनर्जागरण है जिसमें भारत की आत्मा बसती है। यही भाव राष्ट्र को अखंडता, शांति और विकास के पथ पर अग्रसर करेगा।

संपादकीय | अंतरराज्यीय आतंकी संजाल का भंडाफोड...

आतंकवाद वैश्विक स्तर पर शांति और सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। आतंकी अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए साजिशों के नए-नए जाल बुनते हैं, जिन्हें भेद पाने में सुरक्षा एजेंसियों को भी कड़ी चुनौतियां का सामना करना पड़ता है। सुरक्षा एजेंसियों को इसी तरह के एक अंतरराज्यीय आतंकी संजाल का भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है, जिसमें आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस साजिश की भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आरोपियों के ठिकानों से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक और हथियार बरामद किए गए हैं। यानी वे किसी बड़े खौफनाक हमले को अंजाम देने की फिराक में थे।

पुलिस का दावा है कि आतंकियों का यह तंत्र पाकिस्तान की धरती से संचालित होने वाले जैश-ए-मोहम्मद और आइएसआइएस से संबंधित अंसार गजवातुल-हिंद से जुड़ा हुआ था, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सक्रिय था। सवाल है कि इस गिरोह से जुड़े लोग इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक पदार्थ और हथियार जमा करने में कैसे कामयाब हो गए? सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को इनकी गतिविधियों की भनक पहले क्यों नहीं लग पाई?

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश की पुलिस तथा केंद्रीय एजेंसियों के साथ विशेष अभियान चलाकर इस आतंकी तंत्र का पर्दाफाश किया है। खास बात यह है कि इस गिरोह के जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें एक विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक और एक चिकित्सक भी शामिल हैं। साफ है कि आतंकी संगठन पढ़े-लिखे लोगों को भी अपने साथ जोड़

रहे हैं, ताकि किसी हिंसक वारदात को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया जा सके। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक के दिल्ली से सटे फरीदाबाद स्थित किराए के मकान से 360 किलोग्राम ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया गया है। सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इतने बड़े पैमाने पर ज्वलनशील पदार्थ का मिलना कई सवाल खड़े करता है। एनसीआर में जगह-जगह पुलिस की ओर से सुरक्षा नाके लगाए गए हैं, इसके बावजूद विस्फोटक पदार्थ की इतनी बड़ी खेप आखिर वहां कैसे पहुंचाई गई? क्या खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की जांच का व्यवस्थागत तंत्र इतना कमजोर है कि वह वास्तविक समय पर आपराधिक गतिविधियों को पकड़ पाने में सक्षम नहीं है? गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से सात कश्मीर के हैं, जबकि एक उत्तर प्रदेश का निवासी है। सुरक्षा अधिकारियों का दावा है कि जांच में दो आरोपियों के मोबाइल फोन में पाकिस्तान के कई नंबर पाए गए हैं। जाहिर है कि वे पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में थे। यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि गिरफ्तार सभी आरोपी स्थानीय हैं, मगर उनके पास चीनी स्टार पिस्तौल, एके-56 एवं एके क्रिंकाव राइफल जैसे हथियार और इतने बड़े पैमाने पर विस्फोटक पदार्थ कहां से आए? प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि धन का लेन देन करने और साजो-सामान की व्यवस्था के लिए यह गिरोह गुप्त माध्यमों का इस्तेमाल कर रहा था।

सामाजिक और धर्मार्थ कार्यों की आड़ में पेशेवर तथा शैक्षणिक तंत्र के जरिए धन जुटाया जाता था। मगर ऐसा कैसे संभव हुआ कि खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को इसकी पहले कोई भनक नहीं लग पाई। जाहिर है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कहीं न खामियां व्याप्त हैं, जिन्हें दुरुस्त किए जाने की जरूरत है।

न्याय उत्सव विधिक सेवा सप्ताह के पांचवे दिवस आंगनवाड़ी केंद्र में मनाया गया कार्यक्रम

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) पिछोर में न्याय उत्सव विधिक सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत13 नम्बबर गुरुबार कोआंगनबाड़ी केंद्र छावनी ग्रामपंचायत जराय तहसील में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र प्रसाद सोनी तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला शिवपुरी श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष/ अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राजेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में न्याय उत्सव विधिक सेवा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया !जिसमें घरेलू हिंसा अधिनियम एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में चल रही योजनाओं के संबंध में टीकाकरण योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना,लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना, पोषण आहार योजना के अंतर्गत विस्तृत रूप से चर्चा उक्त कार्यक्रम की मुख्य अतिथि न्यायाधीश महोदय सुश्री नेहा प्रजापति प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड पिछोर के द्वारा की गई, कार्यक्रम में महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी अरविंद कुमार तिवारी उपस्थित थे साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सुनीता गुप्ता, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर, आशा कार्यकर्ता तथा विधिक सेवा समिति पिछोर के कर्मचारी धर्मेंद्र राजोरिया पीएलबी भानु प्रताप, न्यायालय कर्मचारी सूरज पाल,आरिफ खान उपस्थित थे !

पिछोर में अपराध और पुलिस निष्क्रियता के विरोध में कांग्रेस का पांच दिवसीय सांकेतिक धरना

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी): पिछोर विधानसभा क्षेत्र में बढ़ते अन्याय, अत्याचार, मारपीट और बेलगाम अपराधियों की गतिविधियों के खिलाफ, तथा पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता एवं निर्दोष लोगों पर दर्ज की जा रही झूठी एफआईआर के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पिछोर ने मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा एस.डी.ओ.पी. कार्यालय, पिछोर के समक्ष पांच दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। यह आंदोलन क्षेत्र में व्याप्त अपराध, प्रशासनिक उदासीनता और निर्दोष नागरिकों पर हो रहे अन्याय के खिलाफ कांग्रेस का जनसंगर्ष है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पिछोर , अध्यक्ष कृष्ण कांत छिरोलिया ने और कांग्रेस ब्लॉक कार्यकारी अध्यक्ष श्री अनिल गुप्ता ने सभी कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और युवा संघर्ष समिति के सदस्यों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में, पीड़ित परिवारों के साथ इस धरना प्रदर्शन में भाग लें और न्याय के इस आंदोलन को सशक्त बनाएं। धरना शुक्रवार, 14 नवंबर 2025, प्रातः 10 बजे से एस.डी.ओ.पी. कार्यालय, पिछोर में आयोजित किया जाएगा।

जिला कांग्रेस द्वारा महू में बी एल ए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया

दैनिक रणजीत टाइम्स

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े के नेतृत्व में महू में बी एल ए प्रशिक्षण शिविर वेदजी की बगीजी आयोजित किया गया जिसमें प्रशिक्षण देने प्रशिक्षक अनीस कादरी, राहुल परमार, अजय दादरे, सवी बेदी मुख्य रूप से बिंदुवार फॉर्म कैसे भरना है प्रोफार्मा बनाकर बताया और बी एल ए का अधिकार भी बताया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाश दत्त पांडे, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष जीतू ठाकुर, जुगनू जादवसिंह धनावत, शक्तिसिंह गोयल, विजेंद्रसिंह चौहान, विजय नौलखा, हरिराम चौहान, पप्पू खान, गजेंद्रसिंह राठौर, बैकुंठ पटेल,राजकुमार बागड़ी, नरेश जोशी, वीरेंद्र झंझोट, आनंद गोगलिया,ओम पटेल, सचिन गुप्ता, साकिर खान, इरशाद खान, मुस्तकीम कुरैशी, सद्दाम पटेल, अल अमन खान, तगीज मैहर, कैलाश गोयल, राजेश पाटीदार, गोविंद टेलर, हुकम आंजना, आशीष वर्मा, वीरेंद्र ठाकुर,राकेश पाटीदार, अंतर यादव, महेश निनामा, मनमोहन गुनावत, धर्मेंद्र बिरथरे, महेश वर्मा, शेखर मालवीय, जगदीश राठौर, राजेश पटेल, भगवान चौधरी, डॉक्टर अजय धनावत, देवेंद्र अग्रवाल, अमित अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, दिगपाल तोमर,महेंद्र यादव, अर्जुन यादव, रवि मिश्रा, विक्रम राजपूत,रोहित अग्रवाल, विकास ठाकुर,रामकिशन मेड़ा, पंकज मीणा, संतोष कौशल, मनमोहन कौशल, वर्षा विवेक सकोरिया, प्रेम चौहान, जगमोहन सोन, संजय चौहान, ओमप्रकाश चौहान, अभिषेक मारोलिया, रामनिवास मीणा, साहिल खान, अभिषेक यादव, सतपाल निनामा, मनोहर गावड़, फरदिन मेहर, इत्यादि सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महू शहर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष पप्पू खान ने किया। और आभार जीतू ठाकुर ने माना।

भारत निर्वाचन आयोग के सचिव ने धार में SIR कार्यों का किया निरीक्षण

दिलीप पाटीदार

धार भारत निर्वाचन आयोग के सचिव विनोद कुमार ने आज धार विधानसभा क्षेत्र के गुणावद एवं तिरला में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन अभियान के तहत जारी कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण से संबंधित गतिविधियों तथा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान सचिव ने स्थानीय स्तर पर चल रही जागरूकता गतिविधियों, फॉर्म वितरण, एवं घर-घर सर्वे की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र प्रत्येक मतदाता तक फॉर्म पहुँचे और फॉर्म भरने में आवश्यक सहायता दी जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल सूची अद्यतन करना नहीं, बल्कि हर पात्र नागरिक को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना है। सचिव विनोद कुमार ने निरीक्षण के दौरान तिरला के बीएलओ ओंकार पटेल के कार्य की सराहना की और कहा कि उन्होंने अपने क्षेत्र में दायित्वों का निर्वहन उत्कृष्ट रूप से किया है। उन्होंने अन्य बीएलओ को भी प्रेरित करते हुए कहा कि इस अभियान को और गति से आगे बढ़ाया जाए ताकि जिले में शत-प्रतिशत मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित हो सके। सचिव ने सभी से कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

अगर बिहार में नहीं बनी NDA की सरकार तो शेयर बाजार में मच जाएगा हाहाकार

इनक्रेड इक्विटीज ने चेतावनी दी है कि अगर एनडीए बिहार चुनाव हार जाता है, तो निफ्टी 5-7 फीसदी गिर सकता है, जिससे राजनीतिक अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की मुनाफावसूली बढ़ सकती है. हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि यह गिरावट ज्यादा देर तक नहीं रहेगी. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रिपोर्ट में क्या कहा गया है?

बिहार विधानसभा चुनाव के दो फेज की वोटिंग के बाद एग्जिट पोल भी सामने आ गए हैं. अधिकतर एग्जिट पोल में एनडीए की जीत के दावे किए गए हैं. खास बात तो ये है कि एनडीए की बड़ी जीत का दावा किया जा रहा है. जिसके बाद बुधवार को शेयर बाजार में भी तेजी देखने को मिल रही है. जहां सेंसेक्स में 750 अंकों से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है. वहीं दूसरी ओर निफ्टी में करीब 230 अंकों से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है।

एक ऐसी भी रिपोर्ट आई है, अगर 14 नवंबर को बिहार विधानसभा के नतीजों में एनडीए की सरकार गिर जाती है, इसका मतलब है कि हार होती है तो शेयर बाजार में बड़ा हाहाकार मच सकता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ऐसा होता है तो केंद्र में मौजूदा सत्ता पर भी खतरा मंडरा सकता है और एक नया गठबंधन केंद्र की सत्ता संभालने के लिए सामने आ सकता है. जिसके परिणाम शेयर बाजार में काफी गंभीर परिणाम दिखाई दे सकते हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रिपोर्ट में किस तरह का अंदेशा जताया गया है।

7 फीसदी तक गिर सकता है निफ्टी

घरेलू ब्रोकरेज फर्म इनक्रेड इक्विटीज के अनुसार, अगर केंद्र में एनडीए की जगह नीतीश कुमार या चंद्रबाबू नायडू जैसे क्षेत्रीय दिग्गजों के नेतृत्व वाला एक नया गठबंधन आता है, तो बेंचमार्क निफ्टी इंडेक्स शॉर्ट टर्म में 5-7 फीसदी तक गिर सकता है. जैसा कि पहले भी देखने को मिल चुका है. अगर पहले के उदाहरणों को देखें तो 2024 के अप्रत्याशित चुनाव-पश्चात परिणामों के बाद निफ्टी एक ही दिन में 6 फीसदी गिर गया था, जबकि कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी में करीब 9 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी. इस बार,

बिहार में बहुत कम अंतर से दांव और भी जटिल हो गया है. 100 सीमांत सीटों पर ईबीसी और युवा मतदाताओं के बीच 3-6 फीसदी का मामूली बदलाव एनडीए को 60 सीटों तक का नुकसान पहुंचा सकता है – जिससे उसका गढ़ ढह जाएगा और नायडू-नीतीश-शिंदे गठबंधन के लिए रास्ता साफ हो जाएगा।

सेंटीमेंट होंगे खराब

अगर फाइनेंशियल मार्केट, जो फिस्कल और रिफॉर्म पॉलिसीज पर क्लैरिटी पर कुछ ज्यादा ही संवेदनशील हैं, को राजनीतिक रूप से जरा सी भी अस्थिरता देखने को मिलती है, तो शेयर बाजार की प्रतिक्रिया तेजी देखने को मिल सकती है. इनक्रेड रिसर्च के प्रत्यूष कमल ने कहा कि गठबंधन की अस्पष्टता नीतिगत अनिश्चितता, कथित राजकोषीय ढिलाई और विदेशी व घरेलू निवेशकों के लिए मार्केट सेंटीमेंट काफी खराब हो जाते हैं. इसके तत्काल परिणाम विदेशी पूंजी निकासी, बॉन्ड यील्ड और रुपए पर निरंतर दबाव हो सकते हैं. ऐसा तब तक देखने को मिल सकता है जब तक कि नई सरकार का आर्थिक रोडमैप स्पष्ट न हो जाए.

फिर कैसे आ सकती तेजी?

हालांकि, रणनीतिकार आगाह करते हैं कि बाज़ार की प्रतिक्रिया थोड़े समय के लिए हो सकती है. अगर आने वाला गठबंधन जल्दी से एक विश्वसनीय आर्थिक एजेंडा पेश करता है, जिसमें इंफ्रा इंवेस्टमेंट, मैक्रो स्टेबिलिटी और फिस्कल अनुशासन को प्राथमिकता दी जाती है—तो नीतिगत निश्चितता की वापसी के साथ शेयर बाज़ार में उछाल आ सकता है. इससे पहले भी भारत के बाजारों ने गठबंधन के स्ट्रक्चर की परवाह किए बिना काफी अच्छा रिटर्न दिया है. साल 2004 से लेकर 2014 तक के शेयर बाजार के आंकड़े इस बात की गवाही काफी अच्छे से दे सकते हैं।

कौन से सेक्टर हो सकते हैं प्रभावित?

अगर केंद्र में सत्ता परिवर्तन या यूं कहें कि कोई नया गठबंधन सत्ता को संभालता है तो डिफेंस, सरकारी कंपनियां, इंफ्रा से जुड़े शेयरों में गिरावट देखने को मिल सकती है. वहीं दूसरी ओर कंज्यूमर, रीजनल बैंक और एसएमई- शेयरों में तेजी इस उम्मीद में देखने को मिल सकती है कि नई सरकार रीजनल फिस्कल ओरिएंटेशन और ब्रोडर सोशल स्पेंडिंग कर सकती है. एक सीनियर फंड मैनेजर ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि कौन शासन करता है, बल्कि यह कि ट्रांजिशन के बाद वे कैसे शासन करते हैं, यही तय करेगा कि निफ्टी कहां ठहरता है. इसलिए, एनडीए की सत्ता के खतरे से भारतीय शेयर बाजारों में अल्पकालिक लेकिन तीव्र गिरावट आने की संभावना है. हालांकि, मिड से लॉन्गटर्म में शेयर बाजार गठबंधन अंकगणित पर कम और सरकार के आगामी फिस्कल और रिफॉर्म एजेंडे की विश्वसनीयता और निरंतरता पर अधिक निर्भर करेगा।

एग्जिट पोल में एनडीए को स्पष्ट जीत

एग्जिट पोल के शुरुआती संकेतों में एनडीए की स्पष्ट जीत और कांग्रेस-राजद गठबंधन को झटका लगने का अनुमान है. मंगलवार शाम को जारी कई सर्वेक्षणों में भाजपा और जद(यू) के नेतृत्व वाले एनडीए की ज़बरदस्त जीत का अनुमान लगाया गया है, जबकि विपक्षी महागठबंधन (एमजीबी) के बड़े अंतर से पिछड़ने का अनुमान है. पीपुल्स पल्स एग्जिट पोल 2025 के अनुसार, एनडीए को 46.2 फीसदी वोट शेयर के साथ 133 से 159 सीटें मिलने की उम्मीद है, जबकि एमजीबी को 37.9 फीसदी वोट शेयर के साथ 75 से 101 सीटें मिल सकती हैं. जेवीसी पोल ने एनडीए को 135-150 सीटें जीतने का अनुमान लगाया है, जबकि एमजीबी 88-103 सीटें ही जीत सकती है. पोलस्टर मैट्रिज और दैनिक भास्कर भी इसी तरह के नतीजों की ओर इशारा करते हैं, जिससे एनडीए को 145-167 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिलता है।

एग्जिट पोल के बाद बाजार में तेजी

वैसे एग्जिट पोल आने के एक दिन के बाद शेयर बाजार में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है. दोपहर दो बजकर 45 मिनट पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 610 अंकों की तेजी के साथ 84,480.91 अंकों पर कारोबार कर रहा है. जबकि कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 780.69 अंकों की तेजी पर पहुंच गया था और 84,652.01 अंकों के साथ दिन के हाई पर पहुंच गया था. वहीं दूसरी ओर निफ्टी में भी इजाफा देखने को मिल रहा है और दोपहर को 2 बजकी 45 मिनट पर निफ्टी 192 अंकों की तेजी के साथ 25,886.35 अंकों पर कारोबार कर रहा है. खास बात तो ये है कि निफ्टी 230 से ज्यादा अंकों की तेजी के साथ 25,934.55 अंकों पर भी दिखाई दिया।

सेहत ही नहीं जीन को भी नुकसान पहुंचा रहा प्रदूषण

हवा में मौजूद बहुत छोटे, ठोस या ऐसे तरल कण जो इतने सूक्ष्म होते हैं कि वे हमारी सांसों के साथ शरीर में घुस जाते हैं. ये गाड़ियों, फैक्ट्रियों, लकड़ी या फसलों के जलने से निकलते हैं और हमारे शारीर में प्रवेश कर जाते हैं दुनियाभर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक लेवल पर पहुंच गया है. दुनिया की 92% आबादी इस वक्त ऐसी हवा में सांस ले रही है जो स्वच्छ हवा के मानकों पर बिल्कुल भी खरी नहीं उतरती. विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस संबंध में समय समय पर चेतावनी जारी करता रहता है. यही नहीं जब कभी भी प्रदूषण से होने वाले नुकसान की बात होती है तो सबसे पहले फेंफड़ों, ब्लड प्रेशर और स्किल प्रॉब्लम की बात होती है हालांकि असल परेशानी इससे कहीं ज्यादा बड़ी है. वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया है कि हवा का प्रदूषण हमारे डीएनए (DNA) और जीन (genes) को भी बदल सकता है. यानी यह सिर्फ सांस लेने की परेशानी नहीं, बल्कि आनुवंशिक बदलाव की भी शुरुआत है।

हवा में जब कई हानिकारक पदार्थ घुल जाते हैं तो उन्हें हम एयर पॉल्यूशन कहते हैं. यह प्रदूषित हवा हमारे फेफड़ों के साथ-साथ शरीर की हर कोशिका तक पहुंचकर हमें नुकसान पहुंचाती है. प्रदूषित हवा में कई तरह के तत्व होते हैं, जैसे पार्टिकुलेट मैटर (PM), ब्लैक कार्बन, नाइट्रोजन ऑक्साइड्स (NOx), ओज़ोन (O), भारी धातुएं (heavy metals) और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (PAHs).इनमें सबसे खतरनाक होता है पार्टिकुलेट मैटर. हवा में मौजूद बहुत छोटे, ठोस या ऐसे तरल कण जो इतने सूक्ष्म होते हैं कि वे हमारी सांसों के साथ शरीर में घुस जाते हैं. ये गाड़ियों, फैक्ट्रियों, लकड़ी या फसलों के जलने से निकलते हैं और हमारे शारीर में प्रवेश कर जाते हैं।

डीएनए और जीन पर हवा का हमला

हमारे शरीर का ब्लूप्रिंट यानी डीएनए बहुत संवेदनशील होता है. इसके छोटे-से बदलाव भी शरीर के कामकाज को पूरी तरह बदल सकते हैं. वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्रदूषित हवा के संपर्क में आने से डीएनए मिथाइलेशन की प्रक्रिया बिगड़ जाती है. सामान्य परिस्थितियों में, मिथाइलेशन हमारे जीन को नियंत्रित करता है. कौन-सा जीन कब सक्रिय होगा या बंद रहेगा. ये मिथाइलेशन से ही तय होता है. लेकिन जब प्रदूषक के कण शरीर में प्रवेश करते हैं, तो वे इस संतुलन को बिगाड़ देते हैं कभी मिथाइलेशन बहुत बढ़ जाता है (हाइपरमिथाइलेशन) तो कुछ अच्छे जीन, जैसे सूजन या कैंसर से बचाने वाले जीन शांत हो हो जाते हैं और खतरा बढ़ जाता है. इसी तरह कभी यह घट जाता है, जिससे डीएनए अस्थिर हो जाता है और गलत जीन सक्रिय होने लगते हैं।

जीन बदलने का मतलब क्या है?

जब हमारे जीन बदलते हैं तो शरीर की कोशिकाएं गलत प्रोटीन बनाने लगती हैं. इससे फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग, मधुमेह, यहां तक कि कैंसर तक हो सकता है. अगर ये बदलाव गर्भावस्था या बचपन के दौरान हों, तो आने वाली पीढ़ियों के विकास पर भी असर पड़ सकता है।

कृष्णा अभिषेक के लिए सुनीता मामी की टिप्पणी पर आरती का रिएक्शन, बोलीं-

मुझे पता था, वो हमें प्यार करती हैं

गोविंदा के भांजे व कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और अभिनेता की पत्नी सुनीता आहूजा के बीच वर्षों मन-मुटाव रहा। हालांकि, वर्षों पुरानी खटास अब दूर हो चुकी है। हाल ही में सुनीता आहूजा ने खुद यह बात कही। इस पर गोविंदा की भांजी व कृष्णा की बहन आरती का रिएक्शन सामने आया है।

सुनीता आहूजा और गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक के बीच कई साल तक बोलचाल बंद रही। एक शो में कृष्णा ने कथित तौर पर गोविंदा को लेकर कोई ऐसी टिप्पणी की थी, जिस पर सुनीता को बुरा लग गया। इसके चलते उनके परिवार और कृष्णा के बीच दूरियां बढ़ गईं। मगर, अब सब ठीक है। सुनीता आहूजा ने हाल ही में स्वीकार किया कि वर्षों पुराना पारिवारिक विवाद अब खत्म हो चुका है। वे कृष्णा अभिषेक से लेकर आरती तक, घर के सभी बच्चों के लिए खुशहाली की प्रार्थना करती हैं। इस पर एक्ट्रेस आरती सिंह ने खुशी जताई है।

सुनीता आहूजा ने हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में इस बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, सब ठीक है. कृष्णा अभिषेक और आरती मेरे बच्चे की तरह हैं। मैं पुराना सब भूल गई हूं। सुनीता ने कहा कि अब वे नाराज नहीं हैं और सभी के लिए खुशी चाहती हैं। कृष्णा की बहन, आरती सिंह इस बात से खुश हैं। उन्हें उम्मीद है कि फैमिली रिलेशन अब मजबूत हो रहे हैं। यह दिखाता है कि परिवार में गलतफहमियां समय और प्यार से ठीक की जा सकती हैं। आरती सिंह ने बात करते हुए कहा, हां, मैंने वह इंटरव्यू देखा। मैं बहुत खुश हूं। हम हमेशा उनके बच्चे थे और अंदर से मुझे हमेशा पता था कि वह हमसे प्यार करती हैं। इन वर्षों में जो कुछ भी हुआ, आपने मेरी तरफ से कभी कुछ नहीं सुना होगा। मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उन्होंने कृष्णा के बारे में क्या कहा। मैं सच में यह सुनना चाहती थी। उन्होंने बात नहीं की है या कुछ भी नहीं हुआ है, लेकिन मुझे बहुत राहत मिली है कि वह अब उससे नाराज नहीं हैं।

सभी बच्चों को दिया आशीर्वाद

सुनीता ने हाल ही में परिवार के झगड़े के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने नई पीढ़ी को माफ कर दिया। उन्होंने बताया कि कृष्णा, विनय, डंपी और उनके जेठ के बेटे उनके अपने बच्चों जैसे हैं। सुनीता ने कहा, मैं पुरानी सारी बातें भूल गई हूं। अब मैं बस चाहती हूं कि सभी बच्चे हंसें, खेलें और खुश रहें।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा! अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ। टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा एआई : घोषाल

इंदौर। वरिष्ठ पत्रकार जयंतो घोषाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नौकरी छीनेगा यह एक गलत धारणा है। हकीकत तो यह है कि एआई की वजह से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। एनडीटीवी के सलाहकार सम्पादक श्री घोषाल आज स्टेट प्रेस क्लब,मप्र द्वारा आयोजित प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों एनडीटीवी द्वारा एक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से एक रोबोट ने स्टेज पर रशियन बेले डांस प्रस्तुत किया। इस रोबोट ने इंडियन राग पर भी डांस प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह बार-बार कहा जाता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण आने वाले समय में नौकरी कम हो जाएगी। यह नौकरी खा जाएगा। यह एक गलत धारणा है। हकीकत तो यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि जब टीवी आया था तो लगा था कि अब प्रिंट मीडिया नहीं रहेगा। जब डिजिटल मीडिया आया था तब लगा था कि अब टीवी नहीं रहेगा। फिर जब सोशल मीडिया आया तब लगा था कि अब तो और कोई मीडिया नहीं रहेगा। इसके बावजूद सारे मीडिया मौजूद है। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोई इंसान नहीं है बल्कि एक मशीन है। आज चैट जीपीटी भी गलती करता है। इसे चलाने के लिए डाटा तो हमें ही भरना है। हमें इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से घबराने की आवश्यकता नहीं है। इस मौके पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला से डॉ. जितेंद्र जाखेटिया, अटल बिहारी वाजपेई शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय से विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना जोशी, सेज विश्वविद्यालय से पत्रकारिता की विभाग अध्यक्ष डॉ. जमना मिश्रा, डायरोमा एडवर्सिटी से विभाग अध्यक्ष अभिषेक सिसोदिया ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने बताया कि अप्रैल में आयोजित भारतीय पत्रकारिता महोत्सव में सहभागिता करने वाले 150 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्री घोषाल ने सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। प्रारंभ में श्री घोषाल का स्वागत रचना जौहरी, डॉ. जितेन्द्र जाखेटिया, कमल कस्तूरी ने किया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और सिसोदिया पर मुकदमा चलाने की मंजूरी संबंधी फाइल ईडी से मांगी

न्यायालय ने कहा कि उप निदेशक (सतर्कता) ने 30 दिसंबर, 2024 को ईडी को लिखे पत्र में दर्ज किया था कि मंजूरी दे दी गई थी; हालांकि न्यायालय ने पाया कि मंजूरी वास्तव में बाद में दी गई । दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से दिल्ली आबकारी नीति मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग कार्यवाही में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री (सीएम) अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर मुकदमा चलाने के लिए दी गई मंजूरी का खुलासा करने वाली मूल फाइल पेश करने को कहा। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने आम आदमी पार्टी (आप) नेताओं की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया, जिसमें निचली अदालत द्वारा अभियोजन पक्ष की शिकायत पर संज्ञान लेने के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोपी बनाया गया था।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने पाया कि उप निदेशक (सतर्कता) ने ईडी को 30 दिसंबर, 2024 को लिखे एक पत्र में दर्ज किया था कि सक्षम प्राधिकारी ने आरोपियों पर मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। हालांकि, अदालत ने पाया कि यह अनुमति वास्तव में बाद में दी गई थी। अनुरोध पर, न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय को स्पष्टीकरण के संबंध में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर करने की भी छूट दी। मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी, 2026 को निर्धारित की गई है। केजरीवाल और अन्य आप नेताओं के खिलाफ धन शोधन का मामला, अब रद्द कर दी गई दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण में कथित अनियमितताओं से उपजा है। इस मामले में आरोप है कि केजरीवाल सहित कई आप नेता शराब कंपनियों से रिश्वत के

बदले में जानबूझकर नीति में खामियाँ छोड़ने में शामिल थे। जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि इस कवायद से प्राप्त धन का इस्तेमाल गोवा में आप के चुनाव अभियान के लिए किया गया था। इस मामले की जाँच केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय दोनों ने की थी।

आज, वरिष्ठ अधिवक्ता रेबेका जॉन ने तर्क दिया कि सीबीआई को दी गई स्वीकृति, धन शोधन की कार्यवाही में केजरीवाल पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने यह भी दलील दी कि सीबीआई मामले के लिए मंजूरी 14 अगस्त, 2024 को दी गई थी, जबकि निचली अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत पर 9 जुलाई, 2024 को संज्ञान लिया था। जॉन ने तर्क दिया, "इसका कोई महत्व नहीं है। विभिन्न क़ानूनों को दरकिनार करते हुए कोई सर्वव्यापी मंजूरी कैसे हो सकती है? वे बार-बार अदालत में आकर कहते हैं कि ईडी और सीबीआई के मामले अलग-अलग हैं। यह क्या गरम और ठंडा हो रहा है? जॉन ने आगे दलील दी कि ईडी को बाद में पीएमएलए मामले में केजरीवाल पर मुकदमा चलाने के लिए एक अलग से मंजूरी मिल गई। हालाँकि, उन्होंने बताया कि यह मंजूरी वर्तमान याचिका दायर होने के एक महीने बाद मिली थी। उन्होंने सवाल किया कि एसजी मेहता नवंबर 2024 में यह कैसे कह सकते थे कि ईडी को अभियोजन की मंजूरी मिल गई थी। जॉन ने कहा, "मैं किसी भी मकसद का ज़िक्र नहीं कर रही हूँ, लेकिन स्पष्ट रूप से विद्वान सॉलिसिटर जनरल को सुनवाई की पहली तारीख़ पर यह बयान देने के लिए गुमराह किया गया था। क्योंकि उनके बाद के सभी कार्यों से पता चलता है कि जब मैंने इस माननीय न्यायालय के समक्ष कार्यवाही को चुनौती दी थी और इस माननीय न्यायालय द्वारा पहला आदेश पारित किया गया था, तब उनके पास कुछ भी नहीं था। सुनवाई के दौरान, जब अदालत ने केजरीवाल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति देने वाले आदेश की तारीख में विसंगति की ओर इशारा किया, तो वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कहा कि केजरीवाल के खिलाफ पीएमएलए शिकायत पर पूरी कार्यवाही अवैध है।

वकील ने कहा

"हम समझ नहीं पा रहे हैं, यह पूरा मामला एक घालमेल है। इसमें कुछ भी नहीं है। यह बाद में सुधार करने का एक प्रयास है... इस पूरे मामले को रद्द करने की ज़रूरत है, यह सब अधिकार क्षेत्र से बाहर है।" जब अदालत ने ईडी से पूछताछ की, तो केंद्रीय एजेंसी के विशेष वकील ज़ोहेब हुसैन ने कहा कि वह इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगेंगे।

प्रोफेसर के नाम पर कलंक हो... कॉलेज की लड़कियों के लिए खतरा', सुप्रीम कोर्ट ने देश विरोधी पोस्ट करने पर लगाई फटकार

आप प्रोफेसर शब्द के लिए कलंक हैं...

आपको कॉलेज में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया गया कि मामले में आरोपपत्र दाखिल कर दिया गया है, लेकिन गोसाईगांव अदालत में लगभग छह महीने

से कोई न्यायिक अधिकारी न होने के कारण मामले की सुनवाई आगे नहीं बढ़ सकी आरोपी के सोशल मीडिया पोस्ट की जांच करने के बाद, बेंच ने कहा कि वह उसकी भाषा देखकर स्तब्ध है और कहा कि वह 'गंदी मानसिकता' का है और समाज के लिए खतरा है. बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, "क्या हमें आपसे यह कहने के लिए कहना चाहिए कि यहां जो लिखा गया है उसे पढ़कर सुनाएं ताकि सभी समझ सकें कि पोस्ट में क्या है." इस पर वकील ने कहा कि आरोपी ने माफी मांग ली है और अपने कृत्य के लिए उसे अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है. सुप्रीम कोर्ट ने यह देखते हुए कि आबेदीन को 16 मई को गिरफ्तार किया गया था, राज्य के वकील से कहा कि वे इस बारे में निर्देश प्राप्त करें कि क्या गोसाईगांव अदालत में कोई न्यायिक अधिकारी नहीं है सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से अनुरोध किया कि वे इस मामले को देखें और गोसाईगांव अदालत में एक न्यायिक अधिकारी की प्रतिनियुक्ति करें या आबेदीन का मामला कोकराझार जिले की सत्र अदालत में ट्रांसफर कर दें. इस पर बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह बाद में अंतरिम जमानत की संभावना पर विचार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की टिप्पणी को गलत तरीके से उद्धृत करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दर्ज रौशन सिन्हा को राहत दी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दक्षिणपंथी प्रभावशाली व्यक्ति रौशन सिन्हा को अग्रिम जमानत दे दी, जिन पर लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान को गलत तरीके से उद्धृत करने का आरोप है [रौशन सिन्हा बनाम तेलंगाना राज्य]। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सिन्हा की गिरफ्तारी आवश्यक नहीं थी और हिरासत में पूछताछ अनावश्यक थी। तदनुसार, पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें सिन्हा को गिरफ्तारी-पूर्व ज़मानत देने से इनकार कर दिया गया था। सिन्हा पर हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के लिए मामला दर्ज किया था। मामला 1 जुलाई, 2024 को संसद में दिए गए एक भाषण से उत्पन्न हुआ था, जिसमें राहुल गांधी ने कथित तौर पर कहा था कि "जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं, वे लगातार हिंसा, घृणा और झूठ में लिप्त रहते हैं।" अगले दिन, सिन्हा ने गांधी की एक तस्वीर पोस्ट की, जिस पर लिखा था:

"जो हिंदू हैं वे हिंसक हैं - राहुल गांधी"

इस पोस्ट पर ऑनलाइन तीखी प्रतिक्रिया हुई। अगले दिन, हैदराबाद के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि सिन्हा ने राजनीतिक लाभ के लिए गलत सूचना फैलाई और सांप्रदायिक विद्वेष भड़काया। कुछ ही घंटों में, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत जानबूझकर अपमान, झूठे बयानों के प्रकाशन और जालसाजी से संबंधित अपराधों के लिए प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली। सिन्हा ने दावा किया कि उनका ट्वीट संसद में दिए गए एक सार्वजनिक बयान पर एक राजनीतिक टिप्पणी थी और यह किसी भी आपराधिक अपराध की श्रेणी में नहीं आता। हालाँकि, जैसे ही पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाना शुरू किया और कथित तौर पर उनके घर का दौरा किया, उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत अग्रिम ज़मानत की मांग करते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

उच्च न्यायालय के समक्ष, सिन्हा ने तर्क दिया कि प्राथमिकी राजनीति से प्रेरित थी, जिसका उद्देश्य एक प्रमुख विपक्षी नेता की आलोचना करने के लिए उन्हें "परेशान और चुप" कराना था, और उन्हें पार्टी पदाधिकारियों और ऑनलाइन समर्थकों से धमकियाँ मिल रही थीं। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी में आरोपित किसी भी अपराध का दूर-दूर तक कोई आधार नहीं बनता, क्योंकि पोस्ट में न तो कोई मनगढ़ंत सामग्री गढ़ी गई थी और न ही हिंसा या सार्वजनिक अव्यवस्था भड़काई गई थी। इन दलीलों के बावजूद, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उनकी अग्रिम ज़मानत याचिका खारिज कर दी।